मना चल गोवर्धन चलिए

मना चल गोवर्धन चलिए...
गिरिराज परिक्रमा लगा, दुख देनगे तेरे मिटा,
मना चल---

1. दानघाटी ते मत्था तू टेक लै, फिर अगले नज़ारे तू वेख लै
   धार दुध दी पांदा तू जा, मना चल गोवर्धन--

2. गोविंद कुंड दी महिमा अपार, जिथे इंद्र ने मन लइ हार
   दर्श साक्षी गोपाल दा पा, मना चल गोवर्धन--

3. आगए पूंछरी दे लोठा हनुमान जी, एहियो हाजरी सब दी लगान जी
   तू वी हाजरी जरूर लगवा, मना चल गोवर्धन---

4. जतिपुरा मुख कृष्ण मुरार दा, बड़ा आनंद श्रीनाथ दे दीदार दा
   कान्हा लिया एथे पर्वत उठा, मना चल गोवर्धन---

5. राधा कृष्ण कुंड करले स्नान तू, प्रिया प्रियतम दा धर लै ध्यान तू
   सिद्ध संतां दी एह सिद्ध थां, मना चल गोवर्धन---

6. मानसी गंगा दा दर्शन तू पा लै, भक्ति वर चकलेश्वर तों पालै
   जीवन सफल 'मधुप' लै बना, मना चल गोवर्धन---

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36903/title/mana-chal-Govardhan-chaliye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |